Dossier of the Project "Conducting Six Eye Cmps in Project affected area of Tehri Distt through Nirmal Ashram Eye Institute, Khair Kalan,Near Nepali Farms, Shyampur,Rishikesh.

Sl. No.	Description	Details	Remarks if any
1	**2**	**3**	**4**
1.	Name of Project	Conducting Six Eye Camps in Project affected area of Tehri Distt through Nirmal Ashram Eye Institute, Khair Kalan,Near Nepali Farms, Shyampur	
2.	Project Code	071/2017-18/Medical Camp/Tehri/H&S/NMVS/10.24	
3.	Name of Implementing Unit and Unit Code	CSR Unti Tehri (T)	
4.	Name of Implementing Agency	Nirmal Ashram Eye Institute, Shyampur Rishikesh	
5.	Project Cost	Rs.10,39,158.00／–	
6.	Date of Start	02 Furbuary. 2018	
7.	Date of Completion	16 April. 2018	Work completed
8.	Location/Area of operation of the Project	Rim Area, Distt. Tehri.	
9.	Activity covered in the Project and Activity Code	Health & Sanitation	
10.	Targeted Group	Villagers of Tehri rim and nearby area	
11.	Number of people benefitted from the project	1,112 Villager	
12.	Quantification of benefit accrued from the project, as derived from the Impact Assessment Report/evaluation report by independent agency. If any	As per requirement	
13.	Documentary proof like Photo\video\news items etc. If any	As Detailed Below	

परियोजना पर एक नजरः–

उक्त कार्यक्रम को परियाजना से प्रभावित ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थय सेवा प्रदान करने के लिए बनाया गया है, जो निर्मल आश्रम आई इस्ट्टीयूट खैरी कलान, नियर नेपाली फार्म, श्यामपुर ऋषिकेश के सहयोग से 2017 फरवरी से 2018 अप्रैल के माध्यम समपन्न किया गया है। इस कार्यक्रम से परियोजना प्रभावित क्षेत्र की 25 से 30 गांव के ग्रामीणों की बेसिक चित्किसा की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है, जिसमें ऑखों के मरीजों के मोतिया बिन्दु एवं आंख के अन्य रोगो की निःशुल्क शल्य चिकित्सा भी की जाती है साथ ही जाँच एंव दंवाइयाँ निःशुल्क दी जाती है। इस प्रक्रिया को शुरू करने से पूर्व समस्त ग्रामीणों के साथ बैठक के माध्यमों से परियोजना संचालन की गतिविधियों से अवगत करवा करवा दिया जाता है, ताकि सभी कमजोर एंव निर्बल वर्ग के ग्रामीण पूरा फायदा ले सके।

परियोजना का उद्देश्यः–

वर्तमान में इस तरह के कार्यक्रम को रिम एरिया के प्रभावित ब्लाकों के पिछड़े गांवों जहां पर मानवीय जीवन की बेसिक सुविधाऐं बिलकुल नही है या सरकारी तन्त्र से ना के बरावर है, वहां पर मानवीय सुविधाऐं देने के लिए के लिए उन गांवों के मध्य केन्द्रीय स्थान/सघन आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्र चयनित किये जाते है, इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए अन्य स्थानो में चरणबद्व तरीके से विस्तार किया जायेगा।

- जो दूर–दराज ग्रामीण क्षेत्र चिकित्सा की बेसिक सुविधाओं से बचित है, तथा चिकित्सा के लिए उन्हें कई मीलों का रास्ता तय करना पड़ता है उन स्थानों पर शिविरों के माध्यम से चिकित्सा व्यवस्था की जाती है।
- शिविर में महिला, बच्चों, और बुजर्गो के स्थिति देखते हुऐ विशेष घ्यान दिया जाता है।
- गांवों में अन्य कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से चर्चा के उपरान्त यह बात सामने आयी कि इस क्षेत्र में महीला, बुजर्गो, और बच्चों के स्वास्थ्य की बहुत समस्या है, जिसकों मध्य नजर रखते हुऐ यह निर्णय लिया गया है।
- ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए उन्हें विभिन्न बीमारियों के लक्षण और उनसे बचाव के लिए जानकारी दी जाती है।
- युवाओं में बढ़ती उम्र के साथ उनके शरीर में होने वाले बदलाव के बारे में जानकारियाँ।
- आंखों की जांच और उनसे सम्बन्धित बीमारियों का निदान तथा निःशुल्क शल्य चिकित्सा उपचार की व्यवस्था की जाती है।

- सही स्वास्थ्य के लिए खान–पान साफ–सफाई के बारे में जानकारी दी जाती है।

कार्यक्रम की आवश्यकता आंकलन सर्बेक्षण के आधार पर:–

इस तरह के कार्यक्रमों की इस क्षेत्र में क्यों आवश्यकता हुई, रिम एरिया में सीएसआर के विभिन्न गतिविधियों के दौरान ग्रामीणों की स्थिति को नजदीक से देखने और उनसे किये गये सवांद के दौरान यह बात महसूस की गयी, जिसमें निम्न बिन्दु सामने आये–

- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रायः अभाव है।
- चिकित्सा सम्बन्धित अज्ञानता को रोकना।
- जमीनी स्तर पर ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना।
- सभी वर्ग के ग्रामीणों को समान स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करना।
- ग्रामीणों को बुनियादी सुविधा उपलब्ध करवाने में सहयोग प्रदान करना।
- महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष घ्यान देना।
- समुदायों की जरूरतों पर आधारित सुविधाओं में सहयोग प्रदान करना।

परियोजना की समीक्षा और प्रतिक्रिया :–

कार्यक्रम के दौरान शिविर के आस–पास के ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों से चर्चा से की गयी, जिसमें संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यो पर स्थानीय पुरूष/महिलाओं को चिकित्सा शिविरों मिल रहे लाभ की जानकारियाँ ली गयी, जिसमें कार्यक्रम पर सभी ग्रामीणों ने सन्तोष व्यक्त किया।

साथ ही शिविरों की संख्या बढ़ाने का भी अनुरोध किया, क्योंकि यहां कि भौगोलिक परिस्थिति मैंदानी क्षेत्रों से बहुत भिन्न है तथा ग्रामीण क्षेत्रों चिकित्सा सुविधा का बहुत बुरा हाल है, ग्रामीण को छोटे से उपचार के लिए बहुत दूर–दूर जाना पड़ता है, जिसके साथ–साथ उन्हें परिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। और वे अपने स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा ध्यान नही दे पाते है।

कार्यक्रम के फोटोग्राफ

अखोडी,भिलंगना दिनांक 28.03.2018

कण्डीसौड, छाम दिनांक 07.03.2018

छेरपधार प्रतापनगर दिनांक 07.02.2018

दीनगांव प्रतापनगर दिनांक 21.02.2018

धर्मधाट कोटेश्वर दिनांक 21.03.2018

लामणीधार जाखणीधार दिनांक 02.02.2018